भारत ने 19 रन से पाक को पीटा

61 रन की अभिषेक की तूफानी पारी | **22** गेंदों पर तिलक वर्मा ने जड़ा नाबाद अर्धशतक | **211** रन का लक्ष्य भारत ने दिया था पाक को

नागोया, 3 अक्टूबर. भारत ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को रोमांचक मुकाबले में 19 रन से हराकर एशियन गेम्स-2026 के पुरुष क्रिकेट का स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया.

भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 211 रन बनाए. जवाब में पाकिस्तान की टीम निर्धारित ओवरों में लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी. 20 ओवर में 6 विकेट खोकर मात्र 192 रन ही बना सकी. इस हार के साथ पाकिस्तान को रजत पदक से संतोष करना पड़ा, जबकि भारत ने स्वर्ण पर अपना कब्जा बरकरार रखा.

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरे भारत को अभिषेक शर्मा ने तूफानी शुरुआत दिलाई. उन्होंने महज 28 गेंदों पर 61 रन की विस्फोटक पारी खेली. उनकी पारी ने भारत को पावरप्ले में तेजी से रन जुटाने में मदद की. शुरुआती साझेदारी टूटने के बाद भारत ने कुछ विकेट गंवाए, लेकिन तिलक वर्मा ने पारी को संभालते हुए आखिरी ओवरों में रनगति बढ़ा दी. तिलक ने सिर्फ 22 गेंदों पर नाबाद 51 रन बनाए, जबकि शिवम दुबे ने 15 गेंदों पर 27 रन की उपयोगी पारी खेली. पाकिस्तान की ओर सर्वाधिक 96 रन हसन नवाज ने चौथे विकेट की साझेदारी के साथ बनाए, वहीं साइम ने 29 रन जोड़े.

भारत-पाकिस्तान फाइनल मैच स्कोर बोर्ड

भारत

बल्लेबाज	रन	गेंद	चौके	छक्के
वैभव सूर्यवंशी	15	9	0	2
अभिषेक शर्मा	61	28	3	7
संजू सैमसन	2	4	0	0
श्रेयस अय्यर	21	24	2	0
ईशान किशन	20	18	3	0
तिलक वर्मा	51	22	3	4
शिवम दुबे	27	15	2	2
अक्षर पटेल	1	1	0	0
कुल	211/6	20 ओवर		

पाकिस्तान

बल्लेबाज	रन	गेंद	चौके	छक्के
साहिबजादा फरहान	10	11	1	0
माज सदाकत	23	18	3	0
उस्मान खान	3	6	0	0
हसन नवाज	96	51	5	7
साइम अयूब	29	22	2	1
अब्दुल समद	9	9	1	0
साद मसूद	12	5	0	2
कुल	192/6	20 ओवर		

प्रणवी ने जीता गोल्फ में ऐतिहासिक गोल्ड

भारत को महिला गोल्फ में पहला गोल्ड हासिल हुआ

अदिति, दीक्षा के साथ टीम इवेंट में भी सिल्वर नाम किया

नागोया, 3 अक्टूबर. भारत के लिए आइची-नागोया में खेले जा रहे एशियन गेम्स-2026 काफी ऐतिहासिक साबित हो रहे हैं . आज यानी शनिवार को भी भारत के हिस्से कुछ ऐतिहासिक उपलब्धियां आई हैं जिनमें से एक है गोल्फ में महिला खिलाड़ी प्रणवी उर्स का गोल्ड मेडल. प्रणवी एशियन गेम्स में गोल्फ में गोल्ड मेडल जीतने वाली भारत की पहली महिला खिलाड़ी बन गई हैं.

प्रणवी के इस प्रदर्शन से भारतीय टीम भी सिल्वर मेडल अपने नाम करने में सफल रही. प्रणवी ने कुल 15 अंडर 265 के स्कोर के साथ गोल्ड पर कब्जा जमाया. चीन की यिन रुओनिंग के हिस्से सिल्वर आया तो वहीं सिंगापुर की शैनन टन ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया. इस जीत के बाद प्रणवी खुशी से फूली नहीं समा रही हैं और उन्हें अपने आप पर इस बात का गर्व है कि वह एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने वाली भारत की पहली महिला खिलाड़ी हैं. गोल्ड जीतने के बाद उन्होंने कहा, मुझे कोई भी काम सबसे पहले करना पसंद है. लोग आगे और भी बहुत कुछ करेंगे, लेकिन मेरा नाम हमेशा पहला ही रहेगा. प्रणवी के अलावा सिल्वर मेडल जीतने वाली भारतीय टीम में अदिति अशोक (फाइनल राउंड में 67) और दीक्षा डागर (फाइनल राउंड में 77) शामिल थीं. अदिति ने पिछले एशियाई खेलों में सिल्वर जीता था.

भारत का हॉकी में लगातार दूसरा गोल्ड

नागोया, 3 अक्टूबर. भारत ने एशियन गेम्स हॉकी फाइनल में मलेशिया को 5-1 से हराकर लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक जीता. कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने दो गोल किए, जबकि जुगराज सिंह, हार्दिक सिंह और शिलानंद लाकड़ा ने एक-एक गोल दागा. इस जीत के साथ भारत ने लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए सीधे क्वालिफाई किया. पाकिस्तान ने कांस्य पदक जीता.

कुमकुम का रिकर्व में स्वर्णिम निशाना

सेकंड-हैंड धनुष से रचा इतिहास, कोरियाई वर्चस्व को दी चुनौती

नागोया, 3 अक्टूबर. महाराष्ट्र के अमरावती की कुमकुम मोहोद ने अपने सटीक निशाने से एशियन गेम्स में इतिहास रच दिया.

सीमित संसाधनों के बीच तीरंदाजी का सफर शुरू करने वाली कुमकुम ने महिला व्यक्तिगत रिकर्व के फाइनल में दक्षिण कोरिया की येजिन ओह को शूट-ऑफ में 6-5 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया. इसके साथ ही वह एशियाई खेलों में इस स्पर्धा का व्यक्तिगत स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला तीरंदाज बन गई. कुमकुम का स्वर्ण 1978 से चले आ रहे 48 साल के पदक सूखे को खत्म करने वाला भी है. कुमकुम के इस ऐतिहासिक सफर के पीछे परिवार का संघर्ष भी जुड़ा है. उनके पिता अनिल मोहोद अमरावती में मिठाई की दुकानों के लिए कार्डबोर्ड के डिब्बे बनाते हैं. आर्थिक सीमाओं के बावजूद उन्होंने बेटी की ट्रेनिंग में कोई कमी नहीं आने दी.

नीरज ने रिकर्व में जीता कांस्य

नागोया, 3 अक्टूबर. भारतीय तीरंदाज नीरज चौहान ने एशियन गेम्स 2026 में पुरुषों की व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धा में कांस्य पदक जीत लिया.

धीरज बोम्मादेवरा को 6-4 से हराया

नीरज ने शनिवार को कांस्य पदक के प्लेऑफ मुकाबले में अपने ही देश के धीरज बोम्मादेवरा को 6-4 से शिकस्त दी. दोनों भारतीय तीरंदाजों के बीच मुकाबला कड़ा रहा. नीरज ने पांच सेट में 29-26, 27-28, 28-29, 30-28, 29-28 के स्कोर के साथ जीत दर्ज की.इस जीत के साथ नीरज एशियन गेम्स में व्यक्तिगत रिकर्व पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय पुरुष तीरंदाज बन गए. उनसे पहले यह उपलब्धि तरुणदीप राय ने हासिल की थी. इससे पहले शीर्ष वरीयता प्राप्त धीरज को सेमीफाइनल में पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता दक्षिण कोरिया के ली वू सेओक से 3-7 से हार मिली थी. वहीं, नीरज को अंतिम चार के मुकाबले में जापान के जुन्या नाकानिशी ने 7-1 से हराया था. क्वार्टर फाइनल में धीरज ने उज्बेकिस्तान के अमीरखोन सादिकोव को 6-2 और नीरज ने भूटान के लाम दोरजी को 7-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी.

दीपक पूनिया ने 97 किलो में जीता कांस्य

हार के बाद मुकाबले में शानदार वापसी

नागोया, 3 अक्टूबर. भारतीय पहलवान दीपक पूनिया ने एशियन गेम्स 2026 में पुरुषों के 97 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में कांस्य पदक जीत लिया। दीपक ने कांस्य पदक के मुकाबले में मंगोलिया के गनखुयाग गनबातार को 2-1 से शिकस्त दी. इसके साथ ही उन्होंने एशियन गेम्स में अपना दूसरा पदक हासिल किया.

इससे पहले दीपक ने 2023 हांगझोउ एशियन गेम्स में 86 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीता था। दीपक इस बार फाइनल में जगह बनाने से चूक गए थे। सेमीफाइनल में उन्हें उज्बेकिस्तान के शेरजोद पोयोनोव के खिलाफ कड़े मुकाबले में 8-9 से हार का सामना करना पड़ा. इसके बाद उन्होंने कांस्य पदक के मुकाबले में शानदार वापसी की और मंगोलियाई पहलवान को 2-1 से हराकर पदक अपने नाम किया। दीपक ने प्रतियोगिता की शुरुआत चीन के जुनपेंग झोउ को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 12-2 से हराकर की थी। इसके बाद हांगकांग के विन्सेंट फंग वुई ली के खिलाफ उन्हें वॉकओवर मिला था. 27 वर्षीय दीपक 2019 विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीत चुके हैं. एशियाई चैंपियनशिप में भी उनके नाम पांच पदक हैं.

एशियन गेम्स 2026 पदक तालिका

रैंक	देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल पदक
1	चीन	165	85	74	324
2	जापान	75	86	87	248
3	दक्षिण कोरिया	35	41	67	143
4	भारत	21	27	37	85
5	उज्बेकिस्तान	21	23	23	67

48 साल बाद कुश्ती में रचा इतिहास

विश्व चैंपियन को हराकर अमन का गोल्डन दांव

नागोया, 3 अक्टूबर. भारत के युवा पहलवान अमन सहरावत ने एशियन गेम्स 2026 में पुरुष 57 किग्रा फ्रीस्टाइल कुश्ती का स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया.

नागोया सिटी इनाए स्पोर्ट्स सेंटर में खेले गए रोमांचक फाइनल में अमन ने मौजूदा विश्व चैंपियन उत्तर कोरिया के हान चोंग सोंग को 11-7 से शिकस्त दी. मुकाबले में एक समय अमन 6-7 से पीछे चल रहे थे, लेकिन आखिरी क्षणों में शानदार वापसी करते हुए लगातार चार अंक जुटाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया. अमन का यह स्वर्ण पदक पुरुष 57 किग्रा फ्रीस्टाइल में एशियन गेम्स के इतिहास में भारत का पहला गोल्ड है. उनकी जीत इसलिए भी खास है क्योंकि सामने मौजूदा विश्व चैंपियन पहलवान था. दबाव भरे मुकाबले में अमन ने आक्रामक खेल के साथ धैर्य बनाए रखा और निर्णायक पलों में अंक हासिल कर जीत पक्की की.इस स्वर्ण के साथ भारत ने एशियन गेम्स में कुश्ती के इतिहास में भी एक खास उपलब्धि दर्ज की. 1978 के बाद पहली बार भारत ने पुरुष फ्रीस्टाइल कुश्ती में दो स्वर्ण पदक जीते हैं.

अंतिम पंघाल ने महिलाओं के 53 किग्रा इवेंट में सिल्वर मेडल जीता

आइची नागोया, 03 अक्टूबर. अंतिम पंघाल ने महिलाओं के 53 किग्रा कैटेगरी के फ़ाइनल में जापान की मो कियोका से 9-1 से हारने के बाद सिल्वर मेडल जीता. 2-0 से पिछड़ने के बाद, अंतिम ने दूसरे पीरियड में पहला पॉइंट हासिल किया, लेकिन कियोका ने टेकडाउन और फिर आखिर में चार-पॉइंट वाले मूव से जीत पक्की कर ली. हांगझोउ 2023 में ब्रॉन्ज़ मेडल जीतने के बाद, एशियन गेम्स में अंतिम का यह दूसरा सिल्वर मेडल है.

ओडिशा सरकार ने की महिला हॉकी टीम को पुरस्कार की घोषणा

भुवनेश्वर, 03 अक्टूबर. ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने एशियाई खेल 2026 में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम के खिलाड़ियों को 11 लाख रुपये और सपोर्ट स्टाफ़ को 5.5 लाख रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है. मुख्यमंत्री ने टीम के शानदार प्रदर्शन, दृढ़ संकल्प और प्रतिबद्धता के लिए उन्हें बधाई दी, जिससे देश का मान बढ़ा है.ओडिशा सरकार भारतीय हॉकी के साथ मजबूती से खड़ी है और खेल में उत्कृष्टता को समर्थन देने और उसे बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है.

2027 वनडे विश्व कप का नया चक्रव्यूह

14 टीमें और 'सुपर-7' से तय होंगे सेमीफाइनलिस्ट

▶ **क्वालीफायर से तय होंगी बाकी चार टीमें**

नवभारत न्यूज नेटवर्क

नयी दिल्ली , 3 अक्टूबर 2027 का वनडे विश्व कप 2023 के मुकाबले बिल्कुल अलग फॉर्मेट में खेला जाएगा. इस बार टीमों की संख्या 10 से बढ़ाकर 14 कर दी गई है और सेमीफाइनल तक पहुंचने के लिए टीमों को तीन चरणों से गुजरना होगा.

टूर्नामेंट की शुरुआत तीन टीमों की सुपर सीरीज से होगी, जबकि मुख्य चरण में 12 टीमें दो ग्रुपों में बंटेंगी. यहां से कुल सात टीमें सुपर-7 चरण में पहुंचेंगी. सुपर-7 में सभी सात टीमें एक-दूसरे से मुकाबला करेंगी और कुल 21 मैच खेले जाएंगे. इसके बाद अंक तालिका की शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी. 2023 में सभी 10 टीमों ने एक-दूसरे के खिलाफ लीग मैच खेले थे और शीर्ष चार सीधे सेमीफाइनल में पहुंचे थे. इस बार लंबा और तीन चरणों वाला प्रारूप टीमों के लिए लगातार प्रदर्शन की चुनौती लेकर आएगा. सह-मेजबान दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे के अलावा भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड, श्रीलंका, अफगानिस्तान और बांग्लादेश ने भी अपनी जगह पक्की कर ली है. बाकी चार टीमों का फैसला क्वालीफायर से होगा.

गोल्फ में वीर और सप्तक छठे स्थान पर रहे

आइची नागोया,03 अक्टूबर. एशियाई खेलों के गोल्फ में पुरुषों की व्यक्तिगत स्ट्रोक प्ले प्रतियोगिता में वीर अहलावत और सप्तक तलवार 9-अंडर 271 के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से छठे स्थान पर रहे. युवराज संधू 1-ओवर 281 के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से 24वें स्थान पर रहे, जबकि टीम इवेंट में भारत 18-अंडर 542 के स्कोर के साथ छठे स्थान पर रहा.

तीसरा वनडे | 87 गेंदों में 129 रन बनाकर लौटे राहुल, आखिरी ओवर में बरसे 22 रन

राहुल का शतक भारत का मजबूत स्कोर

- राहुल का विराट प्रहार : 9वां वनडे शतक
- सिराज ने तोड़ा शुरुआती साझेदारी का दम

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर. भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीसरे वनडे में केएल राहुल की तूफानी शतकीय पारी ने भारतीय पारी को मजबूती दी. राहुल के 129 रन की मदद से भारत ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 351 रन बनाए और वेस्टइंडीज के सामने 352 रन का लक्ष्य रखा.

राहुल ने 87 गेंदों का सामना करते हुए अपनी पारी में आकर्षक चौके-छक्के लगाए. यह उनके वनडे करियर का नौवां शतक और इस प्रारूप में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर है. पारी के अंतिम ओवर में राहुल ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 22 रन बटोरे, जिससे भारत का स्कोर 350 के पार पहुंच गया.

भारत की शुरुआत हालांकि अच्छी नहीं रही. वेस्टइंडीज के गेंदबाजों ने शुरुआती ओवरों में दबाव बनाया और भारतीय बल्लेबाजी क्रम को झटके दिए. बीच के ओवरों में विकेट गिरने से रन गति पर असर पड़ा, लेकिन राहुल ने एक छोर संभाले रखा. उन्होंने पहले पारी को स्थिरता दी और फिर अंतिम ओवरों में तेजी से रन जुटाकर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया. राहुल और नमन धीर के बीच 65 रन की साझेदारी ने भी पारी को संभालने में अहम भूमिका निभाई. पदार्पण कर रहे अंशुल कंबोज ने भी कुछ तेज रन बनाकर योगदान दिया. 352 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम ने शुरुआती ओवरों में आक्रामक रुख अपनाया. हालांकि मोहम्मद सिराज ने चौथे ओवर में जॉन कैंपबेल को बोल्ड कर भारत को पहली सफलता दिलाई. कैंपबेल 10 रन बनाकर आउट हुए. इसके बाद शाई होप और अमीर जांगू ने पारी आगे बढ़ाई. उपलब्ध लाइव अपडेट के अनुसार, वेस्टइंडीज ने 5.1 ओवर में एक विकेट पर 45 रन बना लिए थे. लक्ष्य बड़ा होने के कारण मेहमान टीम को आगे भी तेज रन गति बनाए रखने की चुनौती थी.

गोल्ड पर पूवम्मा ने उठाया इनाम का मुद्दा

कर्नाटक के 35 लाख के इनाम को बताया कम, हरियाणा के 3 करोड़ से की तुलना

नवभारत न्यूज नेटवर्क

मंगलुरु, 03 अक्टूबर एशियन गेम्स में महिला 4×400 मीटर रिले में स्वर्ण पदक जीतकर मंगलुरु लौटीं अनुभवी एथलीट एमआर पूवम्मा ने कर्नाटक सरकार की पुरस्कार नीति पर सवाल उठाए हैं.

उन्होंने कहा कि एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को कर्नाटक की ओर से मिलने वाला 35 लाख रुपए का नकद पुरस्कार दूसरे राज्यों की तुलना में काफी कम है. पूवम्मा ने हरियाणा के 3 करोड़ रुपए के पुरस्कार का उदाहरण देते हुए राज्य में खिलाड़ियों के लिए बेहतर सम्मान, पुरस्कार और सुविधाओं की मांग की. मंगलुरु एयरपोर्ट पर खेल संगठनों, दोस्तों और खेल प्रेमियों ने उनका स्वागत किया. पूवम्मा ने कहा कि तीन एशियन गेम्स में हिस्सा लेते हुए यह उनका छठा पदक है. इस बार महिला 4×400 मीटर रिले टीम के स्वर्ण जीतने और स्टेडियम में राष्ट्रगान सुनने का अनुभव उनके लिए बेहद गर्व का पल रहा. उन्होंने कहा कि पदक जीतने के बाद शुरुआत में कर्नाटक सरकार की ओर से उनसे संपर्क नहीं किया गया. बाद में मीडिया में खबरें आने के बाद मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और उपमुख्यमंत्री जी. परमेश्वर ने उनसे फोन पर बात की. शिवकुमार ने उन्हें 6 अक्टूबर को मुलाकात के लिए भी बुलाया है. पूवम्मा ने कहा कि बेहतर पुरस्कार और सुविधाओं से युवा खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ेगा. उन्होंने अपने माता-पिता, पति और कोच के सहयोग को भी अपनी सफलता में महत्वपूर्ण बताया.